लईका मन बर बाईबिल

प्रस्तुत करत हवे।

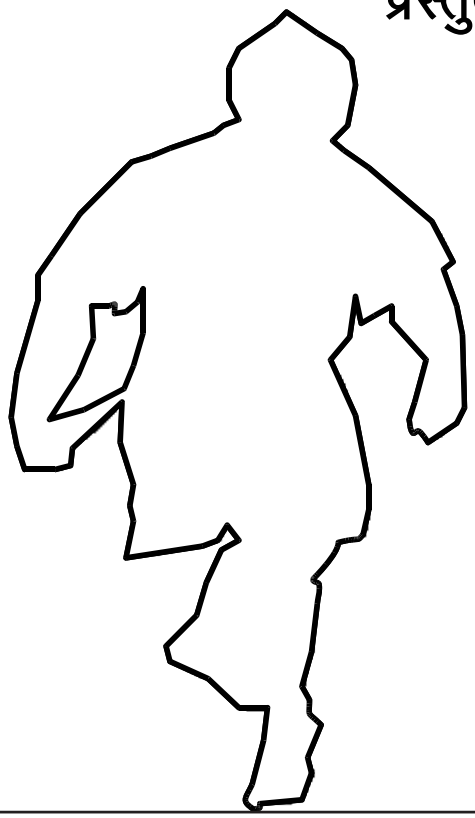

राजा दाउद

(भाग 1)

लिखे गए हवे। : Edward Hughes

उत्साह बढ़ै गए हवे। : Lazarus

अनुवाद करे गए हवे। : मधुलिका महतो

चयन करे गए हवे। : Ruth Klassen

कथा २० ले ६०

www.M1914.org

Bible for Children, *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

लाईसेंस : आप मन करा इ कथा ल छापे बर अऊ नकल करे के अधिकार तभे तक हे जब तक आप मन एला बेचिहा नाही।

Chhattisgarhi

जवनहा दाउद अब भाग दउडेच म रहिस। राजा साउल ओला जान ले माने चाहत रहिस। दाउद चार सौ अनुयायी मन के संग म एक ठन जंगल के जब्बड़ बड़खा गुफा म रहत रहिस।

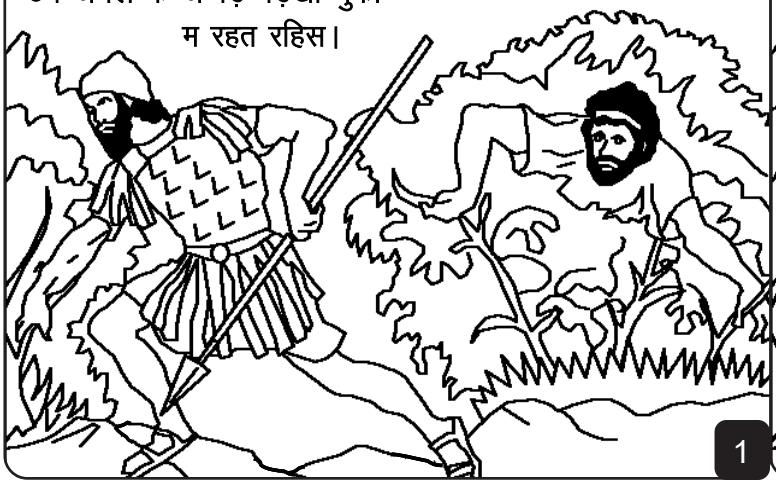

1

कभु–कभु, त राजा साउल के सइनिक मन लगभग ओमन ला खोज निकारे रहिन। लेकिन दाउद सब्बो बेरा अपन जघा ला बलदत रहिस।

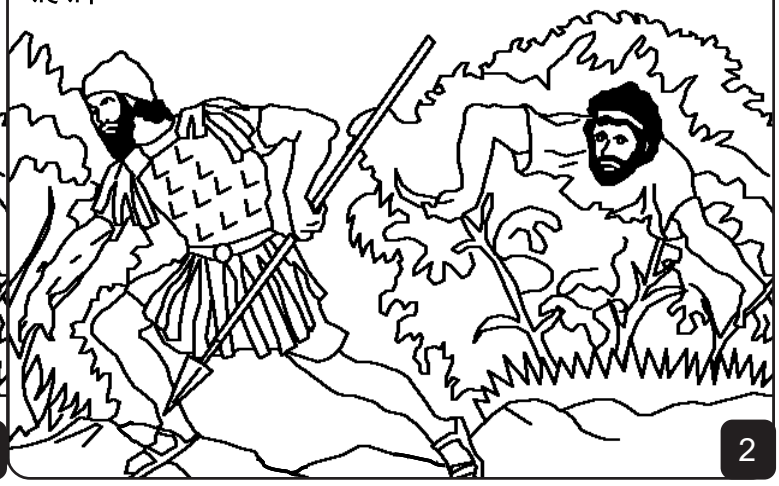

2

एक दिन साउल के कमिहा, दोग. हा राजा ला बताईस कि पुजारी मन दाउद ला भागे बर मदद करे रहिन। साउल ओमन ला मारे के आदेश दिस। लेकिन खाली दोग हा येहा करे बर तियार रहिस। ओहर अपन तरवार ले पाँच ठन याजक मन अउ ओखर परवार मन के संग–निरदयी ले अस्सी मनखे मन के खुन कर दीस, ओहा अब्बड़ेच दुष्ट पुरूष रहिस।

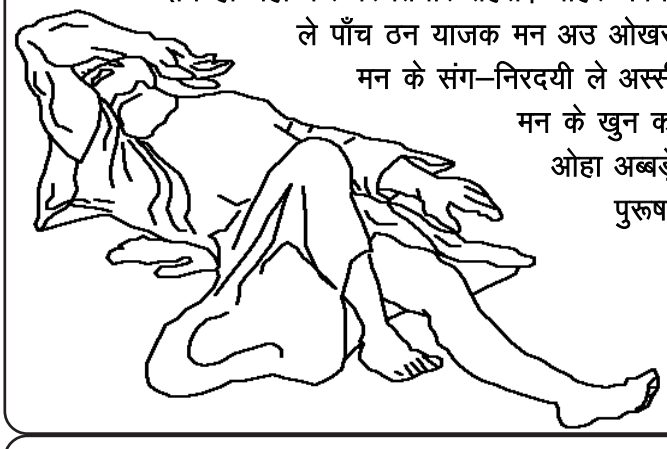

3

एक दिन, साउल, दाउद ला खोजत हवय, दाउद अउ ओखर मनखे जेनकरा लुकाय रहिन, ओही गुफा म पहुंच गिस। साउल एकेझन रहिस।

4

गुफा म, दाउद आसान ले साउल ला मार सकत रहिस।

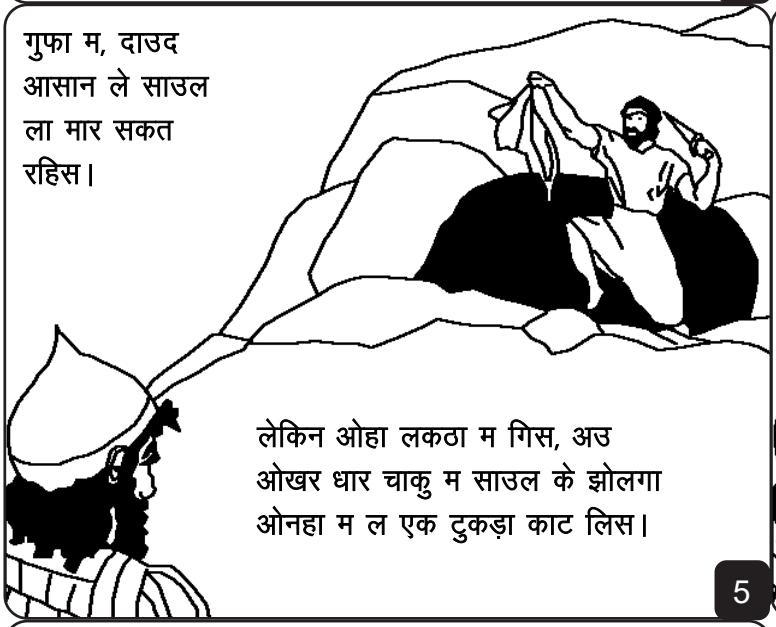

लेकिन ओहा लकठा म गिस, अउ ओखर धार चाकु म साउल के झोलगा ओनहा म ल एक टुकड़ा काट लिस।

5

जब साउल चल दिस, तब दाउद हा ओला नरिया के कहिस, देख "ष्मय हा तोर बागा के कोन्हा ला काटे हव अउ तोला जान ले नई मारे

अब जानदार कि मोर हाथ म बुराई अउ बिदरोह नई हे ...।"

6

साउल, दाउद ला चोट पहुँचाय के कोसिस बर छमा चाहत रहिस। लेकिन झट के ओला ओही जुनना रिस हा लहुट के आईस अउ ओहा दाउद ला मारय बर तीन हजार पुरूष मन के एक ठन सइना ला भेजिस। एक ठन रथिया, जब सइना सुतत रहिस, तब दाउद अउ अबिसय, ओखर सइनक मन ले एकझन, तम्बु के बलदा जिहां राजा साउल सुतत रहिस, ओमे आ पहुंचिस।

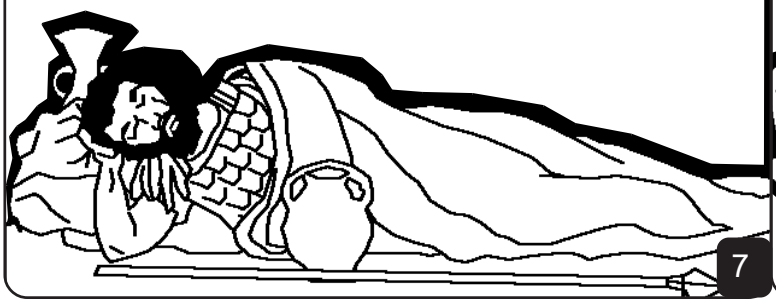

7

"भगवान हा इ दिन अपन हाथ म हमर बइरी ल दे दिस हावव," अबीसय फुसुरफुसुर करिस। "मय भाला ले ऐला एकेच घा आर–पार धरती तक कर देत हावय, त दुसर घा इ म घात नी करय ला परे।"

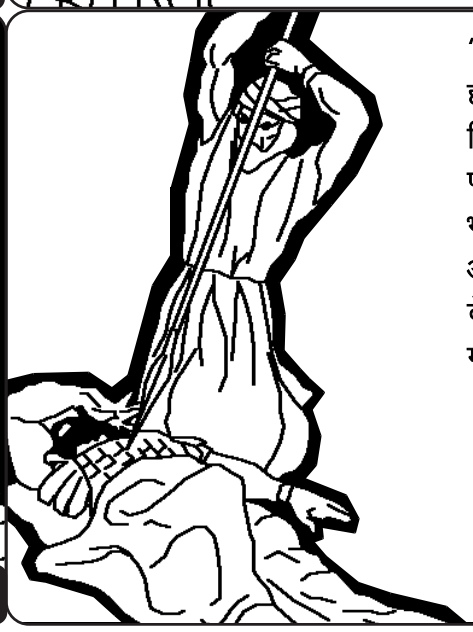

8

दाउद हा ऐहिले इनकार कर दिस। साउल के भाला अउ ओखर सुराही ला लेके उंहा ले चल दिस। दाउद हा एक ठन पहार ले चिरलाईस जब तक क साउल ओला सुना नी दारही। एक घा फेर साउल हा येहा जान दारिस कि दाउद ओला मार सकत रहिस लेकिन ओहा अइसन नई किरस। एक घा फेर, दाउद ला पीरा पहुँचाय के कोसिस बर क्षमा चाहत रहिस। लेकिन दाउद जानत रहिस, ऐखर सेती ओहर साउल के बचन म बिश्वास नई करिस।

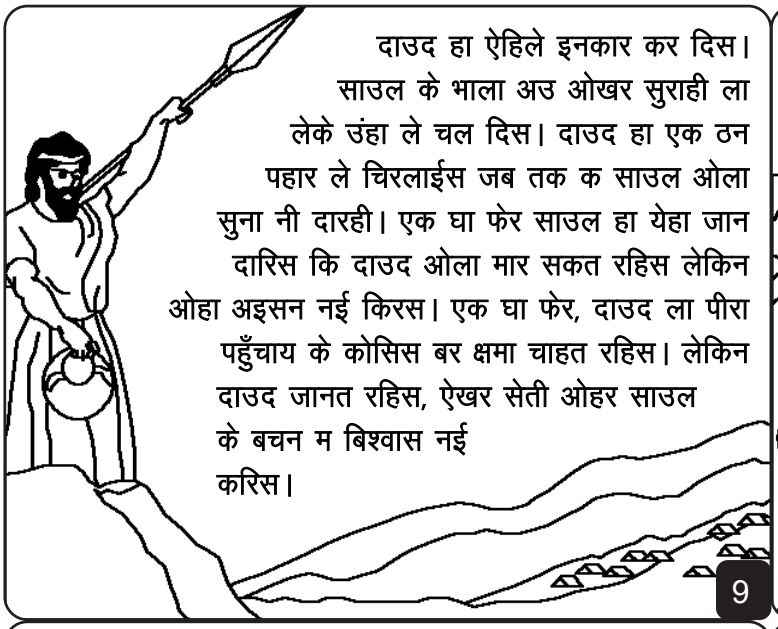

9

अब समुएल के मउत हो गय रहिस। ओहा नबी रहिस जोन ला भगवान इसराइल के राजा के रूप म आघु साउल, अउ फेर दाउद के राज तिलक करे बर कहे रहिस। पलिस्ति मन जब इसराइल म हमला करिन तब, साउल हा कुछु अइसन भयंकर बुता करिस जोन ला भगवान सख्त मना करे रहिस।

10

तेउन हा एक ठन माईलोगन ला तियार करिस कि ओहा समुएल ला मरोइया म ले चिरला के बुलावय। उही रथिया, साउल ला एक ठन सनदेश मिलिस।

11

"... परभु हा तोला तियाग देहे हावय अउ ओहा तोर बइरी बन गय हावय ...। परभु हा राज ला तुहर हाथ ले लेके, तुहर परोसी, अरथात दाउद ला दे दिस हावय। काल, तय अउ तोर बेटा मोर संग म होही। भगवान इसराइल के सइना ला बाँट ही अउ पलिसती मन के हाथ म दे देही।" जब साउल हा येहा सुनिस ओहा डर ले आकुल–बाकुल हो गिस।

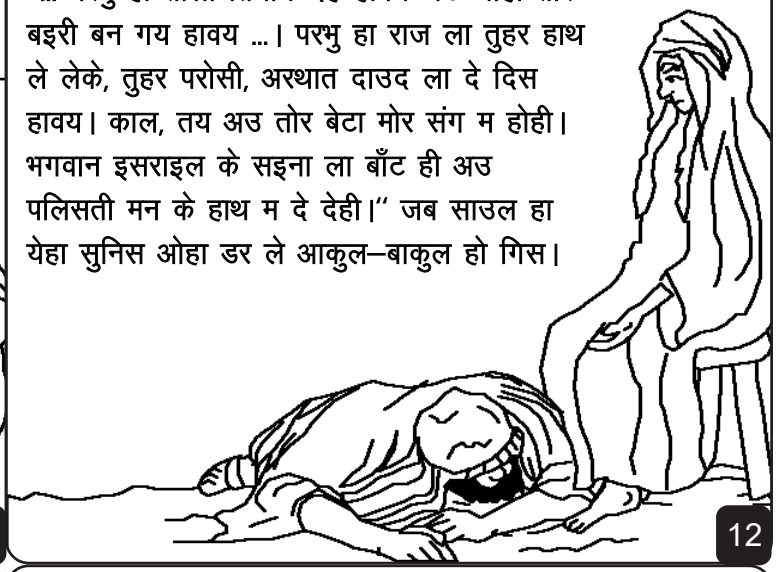

12

पलिसती हा इसराइल के बिरोध म लड़ाई लड़ीस, अउ इसराइल के पुरूष ऊहां ले भाग गिन। पलिसती मन योनातन, दाउद के बने संगवारी, साउल के बेटा मन ला घलो मार डारिस।

13

साउल गमभीर रूप म चिआर मरोइया मन ले घाइल हो गय रहिस। तउन हा अपन हथियार ढ़ोएवाला ले कहिस, "मोर तरवार ले मोला मार डार, कहुं अइसन झन होवय कि मय इ दुस्ट पुरूष मन के हाथ म आ जावव अउ ओ मन मोर ले दुरबेवहार करहि अउ गारी देहे अउ मार डारय।" लेकिन ओखर हथियार ढोएबाला अब्बड़ डरा गिस। तब साउल हा एक ठन तरवार लीस अउ ओखर म गिरीस।

14

साउल अउ ओखर बेटा के लास ढुंढ़े के पाछु, पलिसती मन कब्जा करे होवय इसराइल के एकठन शहर के भिथी के निकासी के संग ओमन ला बांध दिन। कुछु बहादुर इसराइली मन लास ला बचाइन, ओमन तउन मन ला घर ले गिन अउ इसराइल म अवशेष ला माटी देहे ले आघु ओला जरो दिन।

15

जब दाउद हा द भयंकर खबर ला सुनिस, ओहा बिलाप करे अउ रोए लागीस अउ साउल के बेटा योनातन यहोवा के मनखे मन के इसराइली मन बर संझा तक उपास करिस, काबर कि ओमन तरवार ले घात करे गय रहिन।

16

हांलाकि साउल, दाउद ला मारे बर अबगा कोशिस करे रहिस, फेर घलो दाउद आखिर करे रहिस, फेर घलो दाउद आखिर तक भगवान के सनमानित साउल ला सनमान दिस।

17

अब भगवान हा दाउद ला सनमानित करसि अउ ओला साउल के जघा म राजा बना दिस।

18

राजा दाउद (भाग 1)

इ कथा हर भगवान के बचन के द्वारा एक ठी बाईबिल

पाए जाथे।

1 समुएल 24–31, 2 समुएल 1–2

"आप मन कर बानी हर एला अंजोर देथे।"
भजन संहिता ११९ : १३०

भगवान ला पता हे कि हमन गलत काम करे हन जेन ला ओहर पाप कहिथे। पाप के सजा मौत हावे।

भगवान हमन ले बहुत प्यार करथे, ओहर अपन बेटा ईशु मसीह ला क्रूश में मरे बर अऊ हमर पाप के सजा ला पाये बर भेजीस। ईशु मसीह हा फेर जिंदा होगिस अऊ स्वर्ग वापस चल दिस ! अब भगवान हर हामन के पाप बर माफ कर सकथ हे।

अगर आप मन अपन पाप ले मुख ला मोड़े बर चाहत हव ता भगवान ले ये कहव : हे भगवान! मैं विश्वास करथव कि ईशु मसीह हा मोर बर मरीस हावे अऊ अब ओहर फेर ले जीवित हावे। दया करके मोर जिंदगी मा आवव अऊ मोर पाप ला क्षमा करव। ताकि मैं हर अभी नांवा जिंदगी ला पा सकंव, अऊ आप मन के संग मा हमेशा बर रह सकंव। आपके बेटा बनके आप बर जिये सकंव।

बाइबल ला पढ़व अऊ भगवान से रोज बात करव !